ज्ञान–विज्ञान विमुक्तये

सत्यमेव जयते

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
दूरभाष Phone : कार्यालय Off. : 011-23234019, 23236350
फैक्स Fax : 011-23239659, e-mail : cm.ugc@nic.in | web: www.ugc.ac.in

प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह
अध्यक्ष
Prof. D. P. Singh
Chairman

अ.शा. 1-3/2020(अध्यक्ष)

30 मार्च, 2020

यूजीसी गुणवत्ता अधिदेश : प्रस्तावित शैक्षणिक गतिविधियां

प्रिय साथियों ,

जैसा कि आप जानते हैं , देश इस समय एक अभूतपूर्व दौर से गुज़र रहा है। इस 21 दिन के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान, सभी को कोविड-19 से सुरक्षित रखने के प्रयास में एक दूसरे से दूरी बनाकर घर से कार्य करते हुए , हम यह सुनिश्चित करें कि इस स्थिति का हमारे मनोबल और कार्यक्षमता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव ना पड़े। वास्तव में , मार्गदर्शक के रूप में , हमें अपने शैक्षणिक जगत से जुड़े साथियों का निरंतर मार्गदर्शन करना चाहिए और उन्हें इस बात के लिए प्रेरित करना चाहिए कि वे इस अवधि का उपयोग रचनात्मक और सार्थक तरीके से करें।

भारत में उच्चतर शिक्षा प्रणाली के सामने इस समय कई चुनौतियां हैं , जिनमें स्नातकों की रोज़गारपरकता, पाठ्यक्रम को वर्तमान समय के अनुरूप प्रासंगिक बनाना, शिक्षण, शोध एवं रखरखाव सेवाओं की गुणवत्ता को बनाये रखना और उनमें सुधार करना , अध्ययन व अध्यापन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी को अपनाना और अगली पीढ़ी को सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार नागरिक और मार्गदर्शक के रूप में तैयार करना आदि शामिल हैं । इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने गुणवत्ता अधिदेश लागू किया है ताकि उच्चतर शैक्षिक संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके।

गुणवत्ता अधिदेश के अंतर्गत आयोग ने कई नयी पहल की हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है , और ये सभी मार्ग दर्शिका एवं रूपरेखा के रूप में ई-बुक की तरह यूजीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं जिन्हें https://www.ugc.ac.in/ebook.aspx से डाउनलोड किया जा सकता है।

1. दीक्षारंभ : छात्र प्रेरण कार्यक्रम हेतू मार्ग दर्शिका ।
2. एल ओ सी एफ : पूर्व स्नातक शिक्षा के लिए अध्ययन के परिणाम पर आधारित पाठ्यक्रम रूपरेखा।
3. जीवन कौशल : जीवन कौशल हेतू पाठ्यक्रम ।
4. समाज एवं उद्योग में संबंध: भारत के उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में सामाजिक दायित्व एवं सामुदायिक सरोकारों को प्रोत्साहन।
5. केयर (CARE): शैक्षिक और शोध आचार नीति सह संघ ।
6. स्ट्राइड (STRIDE): भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए अन्तरविषयक शोध योजना ।
7. सतत : पर्यावरण के अनुकूल और सतत परिसर विकास की रूपरेखा ।
8. मूल्य प्रवाह : उच्चतर शिक्षा संस्थानों में मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक आचार नीति ।

9. उच्चतर शिक्षा संस्थानों में मूल्यांकन सुधार ।
10. गुरुदक्षता : शिक्षक प्रेरण कार्यक्रम हेतू मार्ग निर्देशिका ।
11. परामर्श : उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन को बढ़ावा देने के लिए नैक (NAAC) से प्रत्यायन प्राप्त करने के इच्छुक को परामर्श।

आइए , इस राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान हम अपने शिक्षा जगत से जुड़े साथियों को सार्थक कार्यों में लगाएं और अपने राष्ट्र की बौद्धिक संपदा के विकास में योगदान दें। इस संदर्भ में, मैं आपसे प्रत्येक गतिविधि के लिए 5-10 शिक्षकों के कार्य समूह का गठन करके उपरोक्त गुणवत्ता अधिदेश की पहलों पर अमल की रूपरेखा (Institutional Implementation Plan) तैयार करने और इन्हें आयोग के साथ www.ugc.ac.in/uamp पर साझा करने का अनुरोध करता हूँ।

उपरोक्त के अतिरिक्त, "Governance in Higher Education : Handbook for Vice-Chancellors " भी ई-बुक के रूप में उपलब्ध है।

मुझे आशा है कि हम सामूहिक रूप से सभी संभव रोकथाम और बचाव संबंधी उपाय करके इस कठिन समय पर विजय पा लेंगे और साथ ही स्वयं को सार्थक गतिविधियों में व्यस्त रखकर अपना मनोबल भी बनाये रखेंगे।

घर पर रहें, स्वस्थ रहें, सक्रिय रहें और सुरक्षित रहें।

सादर,

भवदीय,

धीरेन्द्र पाल सिंह

(धीरेन्द्र पाल सिंह)

प्रति :-

1. सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति।
2. सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य।